९३१

1.8.18

बुधवार

आत्मा

जिवन के प्रत्येक वर्तमान
के क्षण पर आपका
"भविष्य" निर्माण होते
रहता है,

बाबास्वामी
1|8|18

932

2-8-18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

रोता हुआ "मूर्तिकार"
कभी भी आनंदी
किसी की भी मूर्ति
नहीं बना सकता है,

बाबास्वामी

2/8/18

933

3-8-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

दुखी: कवी सदैव
दु:खी गीतो की ही
"रचना" करता है,

बाबास्वामी
3/8/18

934

4-8-18

शनीवार

आत्मा

दुखी: 'गितो' को भी दुखी: लोग ही सुनते है।

बाबास्वामी
4/8/18

935

5.8.18

रविवार

आत्मा

आप अगर अपना भविष्य सुखी बनाना चाहते है, तो वर्तमान के "क्षण" मे ही सुख का अनुभव करो।

बाबास्वामी

5/8/18

936

6-8-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

प्रत्येक क्षण सुखी
वह हो सकता है,
जिसके "भीतर" ही
सुख है।

बाबास्वामी
6/8/18

7-8-18

मंगलवार

आत्मा

भितर के सुख
को ही "आत्म सुख"
कहते है,

बाबास्वामी
7/8/18

938

8-8-18

बुधवार

आत्मा

आत्म सुख मे हम
किसी और पर
"निर्भर" नही होते
है,

बाबा स्वामी
8/8/18

939

09-3-18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"आत्म सुख" तो वह सुख है जो हम केवल परमात्मा को मिलकर अनुभव कर पाते हैं,

बाबास्वामी

09|8|18

940

10-8-18

❀ आत्मा ❀

आत्मसुख का अनुभव तो केवल और केवल "परमात्मा" के सानीध्य मे ही मिलता है।

बाबास्वामी
10/8/18

11-8-18

आत्मा शनीवार

परमात्मा का सानिध्य
जिवन्त होता है, और
वह "वर्तमान" रहने पर
ही अनुभव होता है।

बाबास्वामी
11/8/18

942
12-8-18
रविवार

❀ आत्मा ❀

वर्तमान रहना ही
"परमात्मा" के सान्निध्य
में रहना है।

बाबा स्वामी
12/8/18

943
13-8-18
सोमवार

आत्मा

जिवन मे जो भी
कार्य करो वह "वर्तमान"
मे रह कर करो।

बाबास्वामी
13/8/18

944
14-8-18
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

"तुका म्हणे उभे राहावे
जे जे होईल ते ते पाहावे"
याने जिवन मे जो भी
होता है, उसे साक्षी भाव
से देखो।

बाबास्वामी
14/8/18

945
15-8-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

जिवन मे जो भी कार्य करो संपुर्ण "एकाग्रता" के साथ करो तो कार्य की थकान कभी नही होगी।

बाबास्वामी-
15|8|18

946
16-8-18

गुरुवार

आत्मा

हम रहते कहीं है। और
कार्य और ही करते रहते
है। और विचार और
तीसरे ही करते रहते है।
इसलिये "कार्य की थकान"
आती है।

बाबास्वामी
16/8/18

947
17-8-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

इसलीये सदैव वर्तमान
मे रहकर ही कार्य करे
क्योकी वर्तमान का "क्षण"
जिवन मे बाद मे आने
वाला नही है।

बाबास्वामी
17/8/18

948

18-8-18

शनिवार

ꕥ आत्मा ꕥ

प्रत्येक मनुष्य का "मनुष्यता" के लिये योगदान आवश्यक होता है,

बाबास्वामी

949
19-8-18
रविवार

❀ आत्मा ❀

आप अगर "मनुष्यता"
के लिये कुछ कर
पाये तो ही मनुष्य
के जिवन का कोई
अर्थ है।

बाबास्वामी
19|8|18

950

20.8-18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"मनुष्यता" के लिये आप कुछ करे किसी विशेष मनुष्य के लिये नही।

बाबा स्वामी

2018 118

951
21-8-18
मंगलवार

आत्मा

हमारी "उपासना" की
पद्धतीया भले ही
अलग² हो पर
हम सबका धर्म एक
ही है, "मनुष्य धर्म"

बाबास्वामी
21|8|18

952
22-8-18
बुधवार

आत्मा

हम उपासना पद्धतीयो को ही "धर्म" समझते है।

बाबास्वामी
22/8/18

953

23-8-18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

सभी उपासना पद्धतियों का उद्देश "मनुष्यधर्म" को जागृत करना है।

बाबास्वामी-

23/8/18

954

24-8-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

1) "मनुष्य धर्म" एक जिवंत अनुभुती है, जो मनुष्य को आत्मा का साक्षात्कार होने के बाद होती है,

बाबास्वामी

24/8/18

955

25-8-18

शनीवार

❀ आत्मा ❀

"अनुभुती" के बाद हम
सब मनुष्य ही है,
यह भाव आता है,

बाबास्वामी
25/8/18

956
26.8.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

बाद मे उपासना पद्धतीयों का "भेद" समाप्त हो जाता है।

बाबास्वामी
26|8|18

957

27-8-18

सोमवार

आत्मा

"मनुष्यता" की अनुभुती

प्रत्येक मनुष्य के भितर

की "अनुभुती" होती है,

बाबास्वामी

27/8/18

958
28.8.18
मंगलवार

आत्मा

"मनुष्यता" एक प्रकार का एहसास है। जो प्रत्येक मनुष्य को पाना होता है।

बाबास्वामी
28/8/18

959
29-8-18

बुधवार

आत्मा

आगे बढ़ने के "प्रयास"
मे ही मनुष्यता विकसीत
होती है।

बाबा स्वामी
29/8/18

960
30-8-18
गुरुवार

आत्मा

जो चलने का प्रयास बार बार करता है, वही चलना "सिखता" है।

बाबा स्वामी
30/8/18

961
31-8-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

जो बार बार गिरता
है, वही एक दिन
"खड़ा" भी हो जाता
है।

बाबा स्वामी
31/8/18